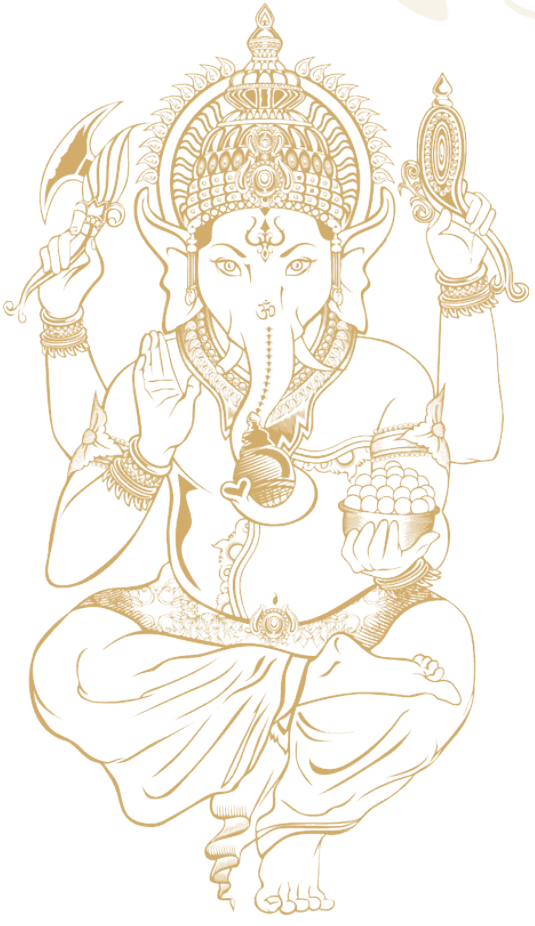

Mr.Gaurv Jain

Ms.Saloni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120178012

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/07/1982	जन्म तिथि	11/03/1996
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 14:22:00	जन्म समय	15:10:00 घंटे
घटी 22:05:08	जन्म समय(घटी)	21:26:02 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:31:56	सूर्योदय	06:35:35
19:21:22	सूर्यास्त	18:27:05
23:36:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 16वर्ष 2मा 15दि	20:51:38	तुला	लग्न	कर्क	15:29:15	शनि 9वर्ष 1मा 7दि
सूर्य	27:01:48	मिथु	सूर्य	कुंभ	27:17:48	केतु
28/09/2025	17:17:10	मीन	चंद्र	वृश्चि	10:16:39	19/04/2022
28/09/2031	25:07:10	कन्या	मंगल	कुंभ	25:50:28	19/04/2029
सूर्य 15/01/2026	13:33:04	मिथु	बुध	कुंभ	12:39:22	केतु 15/09/2022
चन्द्र 17/07/2026	07:11:22	तुला	गुरु	धनु	19:34:22	शुक्र 15/11/2023
मंगल 22/11/2026	27:37:32	वृष	शुक्र	मेष	12:04:56	सूर्य 22/03/2024
राहु 16/10/2027	22:24:07	कन्या	शनि	मीन	02:52:29	चन्द्र 21/10/2024
गुरु 04/08/2028	19:41:42	मिथु व	राहु	कन्या	23:32:49	मंगल 19/03/2025
शनि 17/07/2029	19:41:42	धनु व	केतु	मीन	23:32:49	राहु 07/04/2026
बुध 23/05/2030	07:16:09	वृश्चि व	हर्ष	मक	09:25:12	गुरु 14/03/2027
केतु 28/09/2030	01:22:59	धनु व	नेप	मक	03:18:08	शनि 21/04/2028
शुक्र 28/09/2031	00:31:45	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	09:18:04	बुध 19/04/2029

लग्न-चलित

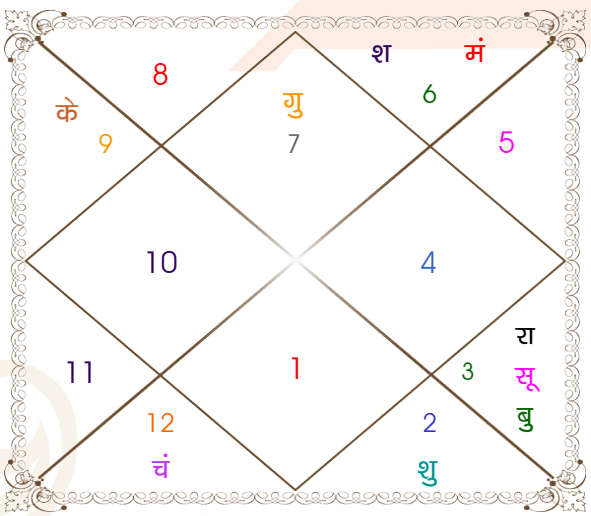

लग्न-चलित

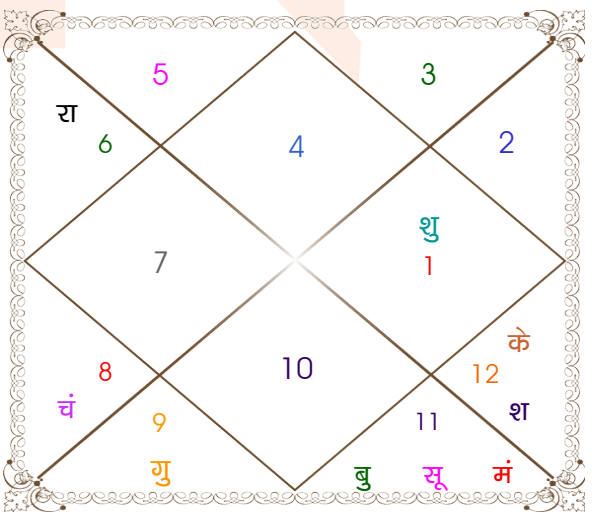

Pulak Sagarm Hastrek ,Jyotish & Vastu Paramarsh kendr Dr. Hukum Chand Jain
T-13, Cosmo Tower Jank Ganj Near Hanuman Chauraha, Gwalior pin 474001 M P
Mo 9425187186 ,9302614644
Astrodr. hcjain @gmail.Com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ळंनतअ श्रंपद का वर्ग सर्प है तथा डेैंसवदप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ळंनतअ श्रंपद और डेैंसवदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ळंनतअ श्रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ळंनतअ श्रंपद कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेैंसवदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेग्रैसवदप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेग्रैसवदप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ळंनतअ श्रंपद तथा डेग्रैसवदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।